पूर्वोत्तर राज्यों में सिविक एक्शन कार्यक्रम

चूंकि पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ राज्य उग्रवाद तथा आतंकवाद से प्रभावित होते रहे हैं, अत: उग्रवाद से निपटने के लिए इन क्षेत्रें में थल सेना/अन्य केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की भी निरंतर आवश्यकता पड़ती रही है। जन सामान्य लोगों के बीच विश्वास की भावना पैदा करने, थल सेना और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल की सही छवि प्रस्तुत करने के लिए नागरिक कार्रवाई संबंधी कार्यक्रम संचालित किए जाते रहे हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न कल्याण/विकास कार्यकलाप अर्थात चिकित्सा शिविरों का आयोजन, सफाई अभियान, खेल बैठकें, बच्चों के लिए अध्ययन सामग्री का वितरण, स्कूल भवनों, रोड, पुलों में छो-मोटी मरम्मतें और प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों का संचालन आदि किए गए हैं। पिछले सात वर्षों में सुरक्षा एजेंट को जारी की गई निधियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :

(लाख रुपए में)

संगठन	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20 (30.04.2019 तक)
सीमा सुरक्षा बल	230.00	262.50	50.00	150.00	150.00	150.00	300.00	134.00
के.रि.पु.बल	150.00	-	27.00	150.00	150.00	150.00	250.00	90.00
भा.ति.सी.बल	100.00	68.00	75.00	100.00	80.00	100.00	80.00	26.00
स.सी.बल	150.00	17.76	69.00	70.00	70.00	70.00	140.00	50.00
असम राइफल्स	200.00	350.00	200.00	350.00	350.00	550.00	330.00	116.00
थल सेना	120.00	150.00	179.00	180.00	180.00	180.00	68.00	17.00
कुल	**950.00**	**848.26**	**600.00**	**1000.00**	**980.00**	**1200.00**	**1168.00**	**433.00**

चालू वित्त वर्ष 2019-20 में, पूर्वोत्तर क्षेत्र में नागरिक कार्रवाई संबंधी कार्यक्रम के अंतर्गत 13 करोड़ रुपए की राशि आबंटित की गई है।

XXXX